

रविवार 27 अप्रैल, 2025

विषय— मृत्यु के बाद की प्रक्रिया

स्वर्ण पाठ: 1 यूहन्ना 5: 11

"परमेश्वर ने हमें अनन्त जीवन दिया है: और यह जीवन उसके पुत्र में है।"

उत्तरदायी अध्ययन: 1 यूहन्ना 3: 11, 14-16
1 पतरस 4: 1, 8, 9, 11

- ¹¹ क्योंकि जो समाचार तुम ने आरम्भ से सुना, वह यह है, कि हम एक दूसरे से प्रेम रखें।
- ¹⁴ हम जानते हैं, कि हम मृत्यु से पार होकर जीवन में पहुँचे हैं; क्योंकि हम भाइयों से प्रेम रखते हैं: जो प्रेम नहीं रखता, वह मृत्यु की दशा में रहता है।
- ¹⁵ जो कोई अपने भाई से बैर रखता है, वह हत्यारा है; और तुम जानते हो, कि किसी हत्यारे में अनन्त जीवन नहीं रहता।
- ¹⁶ हम ने प्रेम इसी से जाना, कि उस ने हमारे लिये अपने प्राण दे दिए; और हमें भी भाइयों के लिये प्राण देना चाहिए।
- ¹ सोजब कि मसीह ने शरीर में होकर दुख उठाया तो तुम भी उस ही मनसा को धारण करके हथियार बान्ध लो क्योंकि जिसने शरीर में दुख उठाया, वह पाप से छूट गया।
- ⁸ और सब में श्रेष्ठ बात यह है कि एक दूसरे से अधिक प्रेम रखो; क्योंकि प्रेम अनेक पापों को ढाँप देता है।
- ⁹ बिना कुड़कुड़ाए एक दूसरे की पहुँचाई करो।
- ¹¹ जिस से सब बातों में यीशु मसीह के द्वारा, परमेश्वर की महिमा प्रगट हो: महिमा और साम्राज्य युगानुयुग उसी की है। आमीन॥

पाठ उपदेश

बाइबल

1. 1 यूहन्ना 2: 15

- 15 तुम न तो संसार से और न संसार में की वस्तुओं से प्रेम रखो: यदि कोई संसार से प्रेम रखता है, तो उस में पिता का प्रेम नहीं है।

2. यूहन्ना 11: 1, 3, 17, 21-23, 25-27, 41, 42, 44-46, 53

- 1 मरियम और उस की बहिन मारथा के गांव बैतनिय्याह का लाजर नाम एक मनुष्य बीमार था।
3 सो उस की बहिनों ने उसे कहला भेजा, कि हे प्रभु, देख, जिस से तू प्रीति रखता है, वह बीमार है।
17 सो यीशु को आकर यह मालूम हुआ कि उसे कब्र में रखे चार दिन हो चुके हैं।
21 मारथा ने यीशु से कहा, हे प्रभु, यदि तू यहां होता, तो मेरा भाई कदापि न मरता।
22 और अब भी मैं जानती हूं, कि जो कुछ तू परमेश्वर से मांगेगा, परमेश्वर तुझे देगा।
23 यीशु ने उस से कहा, तेरा भाई जी उठेगा।
25 यीशु ने उस से कहा, पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूं, जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए, तौभी जीएगा।
26 और जो कोई जीवता है, और मुझ पर विश्वास करता है, वह अनन्तकाल तक न मरेगा, क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?
27 उस ने उस से कहा, हां हे प्रभु, मैं विश्वास कर चुकी हूं, कि परमेश्वर का पुत्र मसीह जो जगत में आनेवाला था, वह तू ही है।
41 तब उन्होंने उस पत्थर को हटाया, फिर यीशु ने आंखें उठाकर कहा, हे पिता, मैं तेरा धन्यवाद करता हूं कि तू ने मेरी सुन ली है।
42 और मैं जानता था, कि तू सदा मेरी सुनता है, परन्तु जो भीड़ आस पास खड़ी है, उन के कारण मैं ने यह कहा, जिस से कि वे विश्वास करें, कि तू ने मुझे भेजा है।
44 जो मर गया था, वह कफन से हाथ पांव बन्धे हुए निकल आया और उसका मुंह अंगोछे से लिपटा हुआ तें यीशु ने उन से कहा, उसे खोलकर जाने दो॥
45 तब जो यहूदी मरियम के पास आए थे, और उसका यह काम देखा था, उन में से बहुतों ने उस पर विश्वास किया।
46 परन्तु उन में से कितनों ने फरीसियों के पास जाकर यीशु के कामों का समाचार दिया॥
53 सो उसी दिन से वे उसके मार डालने की सम्मति करने लगे॥

3. यूहन्ना 12: 1, 9-11, 23 (से 2nd), 25

- 1 फिर यीशु फतह से छः दिन पहिले बैतनिय्याह में आया, जहां लाजर था: जिसे यीशु ने मरे हुआओं में से जिलाया था।
9 यहूदियों में से साधारण लोग जान गए, कि वह वहां है, और वे न केवल यीशु के कारण आए परन्तु इसलिये भी कि लाजर को देखें, जिसे उस ने मरे हुआओं में से जिलाया था।

- 10 तब महायाजकों ने लाजर को भी मार डालने की सम्मति की।
- 11 क्योंकि उसके कारण बहुत से यहूदी चले गए, और यीशु पर विश्वास किया॥
- 23 इस पर यीशु ने उन से कहा।
- 25 जो अपने प्राण को प्रिय जानता है, वह उसे खो देता है; और जो इस जगत में अपने प्राण को अप्रिय जानता है; वह अनन्त जीवन के लिये उस की रक्षा करेगा।

4. प्रेरितों के काम 3: 1-3, 6, 8, 9, 12

- 1 पतरस और यूहन्ना तीसरे पहर प्रार्थना के समय मन्दिर में जा रहे थे।
- 2 और लोग एक जन्म के लंगड़े को ला रहे थे, जिस को वे प्रति दिन मन्दिर के उस द्वार पर जो सुन्दर कहलाता है, बैठा देते थे, कि वह मन्दिर में जाने वालों से भीख मांगे।
- 3 जब उस ने पतरस और यूहन्ना को मन्दिर में जाते देखा, तो उन से भीख मांगी।
- 6 तब पतरस ने कहा, चान्दी और सोना तो मेरे पास है नहीं; परन्तु जो मेरे पास है, वह तुझे देता हूं: यीशु मसीह नासरी के नाम से चल फिर।
- 8 और वह उछलकर खड़ा हो गया, और चलने फिरने लगा और चलता; और कूदता, और परमेश्वर की स्तुति करता हुआ उन के साथ मन्दिर में गया।
- 9 सब लोगों ने उसे चलते फिरते और परमेश्वर की स्तुति करते देखकर।
- 12 यह देखकर पतरस ने लोगों से कहा; हे इस्त्राएलियों, तुम इस मनुष्य पर क्यों अचम्भा करते हो, और हमारी ओर क्यों इस प्रकार देख रहे हो, कि मानो हम ही ने अपनी सामर्थ या भक्ति से इसे चलना-फिरता कर दिया।

5. प्रेरितों के काम 4: 9, 10, 31, 32 (से:), 33

- 9 इस दुर्बल मनुष्य के साथ जो भलाई की गई है, यदि आज हम से उसके विषय में पूछ पाछ की जाती है, कि वह क्योंकर अच्छा हुआ।
- 10 तो तुम सब और सारे इस्त्राएली लोग जान लें कि यीशु मसीह नासरी के नाम से जिसे तुम ने क्रूस पर चढ़ाया, और परमेश्वर ने मरे हुआओं में से जिलाया, यह मनुष्य तुम्हारे साम्हने भला चंगा खड़ा है।
- 31 जब वे प्रार्थना कर चुके, तो वह स्थान जहां वे इकट्ठे थे हिल गया, और वे सब पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो गए, और परमेश्वर का वचन हियाव से सुनाते रहे॥
- 32 और विश्वास करने वालों की मण्डली एक चित्त और एक मन थी।
- 33 और प्रेरित बड़ी सामर्थ से प्रभु यीशु के जी उठने की गवाही देते रहे और उन सब पर बड़ा अनुग्रह था।

6. 1 पतरस 1: 3, 6-8, 22, 24, 25 (से 1st.)

- 3 हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता का धन्यवाद दो, जिस ने यीशु मसीह के हुआओं में से जी उठने के द्वारा, अपनी बड़ी दया से हमें जीवित आशा के लिये नया जन्म दिया।
- 6 और इस कारण तुम मगन होते हो, यद्यपि अवश्य है कि अब कुछ दिन तक नाना प्रकार की परीक्षाओं के कारण उदास हो।
- 7 और यह इसलिये है कि तुम्हारा परखा हुआ विश्वास, जो आग से ताए हुए नाशमान सोने से भी कहीं, अधिक बहुमूल्य है, यीशु मसीह के प्रगट होने पर प्रशंसा, और महिमा, और आदर का कारण ठहरे।
- 8 उस से तुम बिन देखे प्रेम रखते हो, और अब तो उस पर बिन देखे भी विश्वास करके ऐसे आनन्दित और मगन होते हो, जो वर्णन से बाहर और महिमा से भरा हुआ है।
- 22 सो जब कि तुम ने भाईचारे की निष्कपट प्रीति के निमित्त सत्य के मानने से अपने मनो को पवित्र किया है, तो तन मन लगा कर एक दूसरे से अधिक प्रेम रखो।
- 24 क्योंकि हर एक प्राणी घास की नाई है, और उस की सारी शोभा घास के फूल की नाई है: घास सूख जाती है, और फूल झड़ जाता है।
- 25 परन्तु प्रभु का वचन युगानुयुग स्थिर रहेगा॥

विज्ञान और स्वास्थ्य

1. 6: 14-17

स्वर्ग तक पहुँचने के लिए, हम होने के दिव्य सिद्धांत को समझना चाहिए।

"भगवान प्यार है।"

2. 26: 21-32

यीशु के शिक्षण और सत्य के अभ्यास में ऐसा बलिदान शामिल है जो हमें अपने सिद्धांत को प्रेम के रूप में स्वीकार करता है। यह हमारे गुरु के पाप रहित जीवन और मृत्यु पर उनके शक्ति प्रदर्शन का अनमोल आयात था। उन्होंने अपने कर्मों से यह साबित कर दिया कि क्रिश्चियन साइंस बीमारी, पाप और मृत्यु को नष्ट करता है।

हमारे मास्टर ने कोई विचार, सिद्धांत या विश्वास नहीं सिखाया। यह सभी वास्तविक लोगों का दिव्य सिद्धांत था जो उन्होंने सिखाया और अभ्यास किया। ईसाई धर्म का उनका प्रमाण धर्म और पूजा का कोई रूप या प्रणाली नहीं था, लेकिन क्रिश्चियन साइंस, जो जीवन और प्रेम के सामंजस्य को दर्शाता है।

3. 46: 13-29

गुरु ने स्पष्ट रूप से कहा कि शरीर आत्मा नहीं है, और अपने पुनरुत्थान के बाद उन्होंने भौतिक इंद्रियों से यह सिद्ध कर दिया कि उनका शरीर तब तक नहीं बदला जब तक कि वे स्वयं स्वर्गारोहण नहीं कर लेते - या, दूसरे शब्दों में, आत्मा, ईश्वर की समझ में और भी ऊंचे नहीं उठ जाते। थॉमस को इस बात का यकीन दिलाने के लिए यीशु ने उसे कीलों के निशान और भाले के घाव दिखाये।

यीशु की मृत्यु के बाद लगने वाली शारीरिक स्थिति सभी भौतिक स्थितियों से ऊपर होने के कारण उसकी मृत्यु हो गई, और इस अतिशयोक्ति ने उसके उदगम की व्याख्या की, और कब्र से परे एक परिवीक्षाधीन और प्रगतिशील राज्य का खुलासा किया। यीशु "रास्ता" था इसका मतलब है, उसने सभी पुरुषों के लिए रास्ता चिह्नित किया। अपने अंतिम प्रदर्शन में, स्वर्गारोहण कहा जाता है, जिसने यीशु के सांसारिक रिकॉर्ड को बंद कर दिया, वह अपने शिष्यों के भौतिक ज्ञान से ऊपर उठ गया, और भौतिक इंद्रियों ने उसे नहीं देखा।

4. 38: 24-9

यीशु ने दूसरों के लिए रास्ता निकाला। उन्होंने मसीह, दिव्य प्रेम के आध्यात्मिक विचार का अनावरण किया। पाप और स्वयं के विश्वास में दबे हुए लोगों को, उन लोगों के लिए जो केवल आनंद या इंद्रियों के संतुष्टि के लिए जी रहे हैं, पदार्थ में उसने कहा: आंखें रखते हुए भी नहीं देखते, और कान रखते हुए भी नहीं सुनते; कहीं ऐसा न हो कि वे आंखों से देखें, और कानों से सुनें और मन से समझें, और फिर जाएं, और मैं उन्हें चंगा करूं। उन्होंने सिखाया कि भौतिक इंद्रियाँ सत्य और उसकी उपचार शक्ति को बंद कर देती हैं।

हमारे स्वामी ने अपनी अपरिचित भव्यता का उपहास सहते हुए विनम्रतापूर्वक सामना किया। उन्हें जो अपमान सहना पड़ा, उसे उनके अनुयायियों को ईसाई धर्म की अंतिम विजय तक सहना पड़ेगा। उन्होंने शाश्वत सम्मान जीता। उन्होंने संसार, शरीर और समस्त त्रुटि पर विजय प्राप्त की, तथा इस प्रकार उनकी शून्यता को सिद्ध किया। उसने पाप, बीमारी और मृत्यु से पूर्ण उद्धार दिलाया। हमें "मसीह और क्रूस पर चढ़ाए गए मसीह" की आवश्यकता है। हमें परीक्षणों और आत्म-त्याग के साथ-साथ खुशियों और जीत का भी सामना करना होगा, जब तक कि सभी त्रुटियाँ नष्ट न हो जाएं।

5. 66: 6-16

परीक्षण नश्वर लोगों को एक भौतिक कर्मचारियों और एक टूटी हुई ईख पर झुकना नहीं सिखाते हैं, जो हृदय को छेदता है। हम आनंद और समृद्धि की धूप में इसे याद नहीं करते। दुःख लाभकारी है। महान क्लेश के माध्यम से हम राज्य में प्रवेश करते हैं। परीक्षण परमेश्वर की देखभाल के प्रमाण हैं। भौतिक विकास की उम्मीदों की मिट्टी में बोए गए बीज से आध्यात्मिक विकास अंकुरण नहीं करता है, लेकिन जब ये क्षय होता है, तो प्रेम आत्मा के ऊंचे उत्साह का प्रचार करता है, जिसमें पृथ्वी का कोई दाग नहीं होता है। अनुभव के प्रत्येक क्रमिक चरण में ईश्वरीय अच्छाई और प्रेम के नए विचार सामने आते हैं।

6. 291: 12-27

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एंड्री ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

सार्वभौमिक मुक्ति प्रगति और परिवीक्षा पर टिकी हुई है, और उनके बिना अप्राप्य है। स्वर्ग एक स्थानीयता नहीं है, बल्कि मन की एक दिव्य स्थिति है जिसमें मन की सभी अभिव्यक्तियाँ सामंजस्यपूर्ण और अमर हैं, क्योंकि पाप नहीं है और मनुष्य अपने स्वयं के धार्मिकता नहीं पा रहा है, लेकिन "प्रभु के मन", "जैसा कि शास्त्र कहत।

"वृक्ष चाहे दक्खिन की ओर गिरे या उत्तर की ओर, तौभी जिस स्थान पर वृक्ष गिरेगा, वहीं पड़ा रहेगा।" ऐसा हम सभोपदेशक में पढ़ते हैं। इस पाठ को लोकप्रिय कहावत में बदल दिया गया है, "जैसा बोओगे, वैसा काटोगे।" जैसे मनुष्य सोता है, वैसे ही वह जागता है। जैसे मृत्यु नश्वर मनुष्य को पाती है, वैसे ही वह मृत्यु के बाद भी रहेगा, जब तक कि परिक्षण और विकास आवश्यक परिवर्तन को प्रभावित नहीं कर देते। मन कभी धूल नहीं बनता। कब्र से मन या जीवन का कोई पुनरुत्थान नहीं है, क्योंकि कब्र का इन दोनों पर कोई अधिकार नहीं है।

7. 150: 4-17

सत्य की हीलिंग पावर को एक अभूतपूर्व प्रदर्शनी के बजाय एक स्थायी, शाश्वत विज्ञान के रूप में व्यापक रूप से प्रदर्शित किया जाता है। इसका प्रकट होना "पृथ्वी पर शांति, पुरुषों के प्रति सद्भाव" के सुसमाचार का आने वाला है। यह आ रहा है, जैसा कि मास्टर द्वारा वादा किया गया था, इसकी स्थापना पुरुषों के बीच एक स्थायी वितरण के रूप में है; लेकिन क्रिश्चियन साइंस का मिशन अब, जैसा कि इसके पहले के प्रदर्शन के समय में था, मुख्य रूप से शारीरिक उपचार में से एक नहीं है। अब, जैसा कि, संकेत और चमत्कार शारीरिक रोग के आध्यात्मिक उपचार में गढ़ा जाता है; लेकिन ये संकेत केवल इसकी दिव्य उत्पत्ति को प्रदर्शित करने के लिए हैं, - दुनिया के पापों को दूर करने के लिए मसीह-शक्ति के उच्च मिशन की वास्तविकता को प्रमाणित करने के लिए।

8. 11: 9-17 (सचेतना)

क्रिश्चियन साइंस के फिजिकल हीलिंग अब परिणाम है, यीशु के समय के अनुसार, ईश्वरीय सिद्धांत के संचालन से, इससे पहले कि पाप और बीमारी मानवीय चेतना में अपनी वास्तविकता खो देते हैं और स्वाभाविक रूप से गायब हो जाते हैं और आवश्यक रूप से अंधेरा प्रकाश और पाप को सुधार के लिए जगह देता है। अब, अतीत की तरह, ये शक्तिशाली कार्य अलौकिक नहीं हैं, बल्कि सर्वोच्च प्राकृतिक हैं। वे इमैनुअल, या "भगवान हमारे साथ है," का संकेत हैं — मानवीय चेतना में मौजूद एक दिव्य प्रभाव...

दैनिक कर्तव्यों

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एंडी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

मैरी बेकर एड्डी द्वारा

दैनिक प्रार्थना

प्रत्येक दिन प्रार्थना करने के लिए इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य होगा: "तुम्हारा राज्य आओ;" ईश्वरीय सत्य, जीवन और प्रेम के शासन को मुझमें स्थापित करो, और मुझ पर शासन करो; और तेरा वचन सभी मनुष्यों के स्नेह को समृद्ध कर सकता है, और उन पर शासन करो!

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 4

उद्देश्यों और कृत्यों के लिए एक नियम

न तो दुश्मनी और न ही व्यक्तिगत लगाव मदर चर्च के सदस्यों के उद्देश्यों या कृत्यों को लागू करना चाहिए। विज्ञान में, दिव्य प्रेम ही मनुष्य को नियंत्रित करता है; और एक क्रिश्चियन साइंटिस्ट प्यार की मीठी सुविधाओं को दर्शाता है, पाप में डांटने पर, सच्चा भाईचारा, परोपकार और क्षमा में। इस चर्च के सदस्यों को प्रतिदिन ध्यान रखना चाहिए और प्रार्थना को सभी बुराईयों से दूर करने, भविष्यद्विषा, न्याय करने, निंदा करने, परामर्श देने, प्रभावित करने या गलत तरीके से प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 1

कर्तव्य के प्रति सतर्कता

इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का यह कर्तव्य होगा कि वह प्रतिदिन आक्रामक मानसिक सुझाव से बचाव करे, और भूलकर भी ईश्वर के प्रति अपने कर्तव्य की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, अपने नेता और मानव जाति के लिए। उनके कामों से उन्हें आंका जाएगा, — और वह उचित या निंदनीय होगा।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 6